संकल्प एक प्रयास सोसायटी भिलाई

परिचय

संकल्प एक प्रयास संस्था छत्तीसगढ़ के 5 जिलों में ग्रामीण बच्चों, किशोरियों और महिलाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और समुदाय विकास पर कार्य करती है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक गांव को आदर्श बाल ग्राम बनाना है, जिसमें बच्चों के अधिकारों का संरक्षण तथा उन्हें एक सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य के अवसरों के लिए सक्षम बनाया जा सके।

गरिमा परियोजना

संकल्प एक प्रयास संस्था के तहत गरिमा परियोजना में किशोर-किशोरियों और महिलाओं को गरिमा मंच में गरिमा दीदी के माध्यम से समाज के संवेदनशील मुद्दों पर जागरूकता लाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित विषयों पर कार्यशाला का आयोजन किया जाता है:

- महावारी स्वच्छता
- सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श
- साइबर सुरक्षा
- मादक पदार्थ से बचाओ

गरिमा मंच उद्देश्य

- किशोर-किशोरियों और महिलाओं को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करना।
- उन्हें सशक्त बनाना और आत्मविश्वास पैदा करना।
- समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में योगदान करना।

गरिमा मंच का परिचय

गरिमा मंच एक ऐसा मंच है जो किशोर-किशोरियों और महिलाओं को एक साथ लाने के लिए बनाया गया है, ताकि वे अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक हो सकें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

गरिमा मंच के अंतर्गत किशोर-किशोरियों एवं पालकों के साथ 21 मॉड्यूल पर कार्यशाला का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाती है, जैसे कि:

- शिक्षा और स्वास्थ्य, सुरक्षा
- अधिकार और जिम्मेदारियां
- आत्मविश्वास और नेतृत्व
- समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के तरीके

गरिमा मंच की आवश्यकता

1. किशोरियों और महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और रक्षा: गरिमा मंच का उद्देश्य किशोरियों और महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और रक्षा करना है, जिससे वे अपने जीवन में सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सकें।

2. लिंग आधारित हिंसा को रोकना: गरिमा मंच लिंग आधारित हिंसा को रोकने के लिए काम करता है, जैसे कि घरेलू हिंसा, यौन हिंसा और अन्य प्रकार की हिंसा, जो किशोरियों और महिलाओं के जीवन को प्रभावित करती है।

3. किशोरियों और महिलाओं को सशक्त बनाना: गरिमा मंच किशोरियों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम करता है, जिससे वे अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें और अपने अधिकारों के लिए लड़ सकें।

5. सामाजिक परिवर्तन लाना: गरिमा मंच सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए काम करता है, जिससे समाज में किशोरियों और महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन आ सके और वे अपने जीवन में सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सकें।

4. समुदाय में जागरूकता बढ़ाना: गरिमा मंच समुदाय में जागरूकता बढ़ाने के लिए काम करता है, जिससे लोग किशोरियों और महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूक हो सकें और उनके प्रति सहानुभूति रख सकें।

छत्तीसगढ़ में शिक्षा, सुरक्षा, और स्वास्थ्य से संबंधित कई चुनौतियाँ हैं। महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार के लिए काम करना आवश्यक है।

शिक्षा:

6 वर्ष और उससे अधिक आयु की 74% महिलाओं ने कभी न कभी स्कूली शिक्षा प्राप्त की है।
15 से 49 वर्ष की आयु की 44 % महिलाओं ने 10 या अधिक वर्षों की शिक्षा प्राप्त की है।
14 % बच्चे 8 वीं कक्षा पूरी करने से पहले स्कूल छोड़ देते हैं।
32% बच्चे 12वीं कक्षा पूरी करने से पहले स्कूल छोड़ देते हैं।
54% बच्चे वीं कक्षा पूरी करने से पहले स्कूल छोड़ देते हैं.

स्वास्थ्य:

सभी आयु वर्ग की 55% महिलाएं एनीमिक हैं।
5 वर्ष से कम आयु के 30% बच्चे कम वजन के हैं।
15से 24 वर्ष की आयु की 79% महिलाएं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्वच्छ पद्धतियों का उपयोग करती हैं.

सुरक्षा:

20 से 24 वर्ष की आयु की 12% महिलाओं की शादी 18 वर्ष से पहले हुई थी।
हर साल बच्चों के खिलाफ अपराध में 8.7 की वृद्धि हुई है।
हर साल महिलाओं के खिलाफ अपराध में 4% की वृद्धि हुई है.

2. समुदाय कार्यक्रमः गरिमा मंच में समुदाय कार्यक्रम आयोजित किया जाता है , जिसमें किशोरियों और महिलाओं को एक मंच प्रदान किया जाता है जहाँ वे अपनी बात बेधड़क रख सकती हैं और अपने अधिकारों के लिए लड़ सकती हैं।

गरिमा मंच की गतिविधियाँ

1. कार्यशालाएँ: गरिमा मंच के द्वारा किशोरियों और महिलाओं के लिए कार्यशालाएँ आयोजित किया जाता है, जिसमें उन्हें अपने अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और सवेदनशील विषय के बारे में जानकारी दी जाती है।

3. कानूनी सहायता की जानकारी देना : गरिमा मंच के द्वारा किशोरियों और महिलाओं को कानूनी सहायता की जानकारी प्रदान करता है, जिससे वे अपने अधिकारों के लिए लड़ सकें।

4.शिक्षा और प्रशिक्षण: गरिमा मंच में किशोरियों और महिलाओं को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे वे अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

5 . सामाजिक परिवर्तन: गरिमा मंच सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए काम करता है, जिससे समाज में किशोरियों और महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन आ सके।

6 . गरिमा समूह : गरिमा मंच के द्वारा किशोरियों और महिलाओ का समूह बनाया जाता है, जिसमें किशोरियों और महिलाओं को एक दूसरे का समर्थन करने का अवसर मिलता है।

7 . जागरूकता अभियान: गरिमा मंच के द्वारा सवेदनशील विषय पर जागरूकता कार्यक्रम किया जाता है।

गरिमा मंच की उपलब्धियां:

गरिमा मंच ने नशावृत्ति, गुड टच - बैड टच, माहवारी प्रबंधन, स्व-प्रबंधन जैसे विषयों पर कार्यशाला का आयोजन किया है, जिससे समुदाय में जागरूकता बढ़ी है और सकारात्मक परिवर्तन आया है।
गरिमा मंच की उपलब्धियां इस प्रकार हैं:
1. सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी प्रबंधन: गरिमा मंच के द्वारा माहवारी प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित की गई है, जिससे किशोरियों और माताओं में व्यापक व्यवहार परिवर्तन देखने को मिला है। वे अब माहवारी के दौरान स्वच्छता और सुरक्षा का ध्यान रखती हैं।

2. लड़कों की भागीदारी: गरिमा मंच ने लड़कों को भी माहवारी प्रबंधन कार्यशालाओं में शामिल किया है, जिससे उनके द्वारा माहवारी को लेकर फैली भ्रांतियों और बुलींग को कम करने में सफलता मिल रही है।

3. नशावृत्ति से मुक्ति: गरिमा मंच के द्वारा तम्बाकू का सेवन करने वाले किशोरों के साथ लगातार काउंसलिंग की गई है, जिससे उन्हें नशे से दूर करने में उल्लेखनीय सफलता मिल रही है।

4. बच्चों के अधिकारों की जागरूकता: गरिमा मंच के द्वारा बच्चों को उनके अधिकारों के संरक्षण और किसी भी प्रकार के शोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई है, जिससे वे अपने अधिकारों के लिए लड़ सकें।
5. लिंग भेदभाव में कमी: गरिमा मंच के द्वारा लड़के और लड़कियों में होने वाले भेदभाव में समुदाय के व्यव्हार में परिवर्तन परिलक्षित हुआ है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

आगामी कार्य योजना:

गरिमा मंच के माध्यम से किशोरियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई कार्ययोजनाएं बनाई गई हैं। इनमें से कुछ प्रमुख योजनाएं इस प्रकार हैं:

- गरिमा मंच का विस्तार: गरिमा मंच का विस्तार करने के लिए नए क्षेत्रों में इसकी शाखाएं खोली जाएंगी, जिससे अधिक से अधिक किशोरियों और महिलाओं को इसका लाभ मिल सके।
- बेधड़क बोल और मुख्यमंत्री सुरक्षित शनिवार जैसे इनिशिएटिव का विस्तार: बेधड़क बोल और मुख्यमंत्री सुरक्षित शनिवार जैसे इनिशिएटिव का विस्तार करने के लिए अधिक से अधिक ग्रामों में इसका संचालन किया जाएगा, जिससे किशोरियों और महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा सके।

- लक्षित जिलों में जिला प्रशासन द्वारा संचालित किशोर तथा महिला सशक्तिकरण अभियानों से जुड़ना: लक्षित जिलों में जिला प्रशासन द्वारा संचालित किशोर तथा महिला सशक्तिकरण अभियानों से जुड़ने के लिए गरिमा मंच के साथ सहयोग किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक किशोरियों और महिलाओं को शासकीय योजनाओं से लाभ दिलवाया जा सके।

- गरिमा मंच सत्रों के आयोजन में वृद्धि: गरिमा मंच सत्रों के आयोजन में वृद्धि करने के लिए अधिक से अधिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे किशोरियों और महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा सके।
- गरिमा फेलो और गरिमा दीदी का प्रशिक्षण: गरिमा फेलो और गरिमा दीदी का प्रशिक्षण करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे वे अपने कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें।